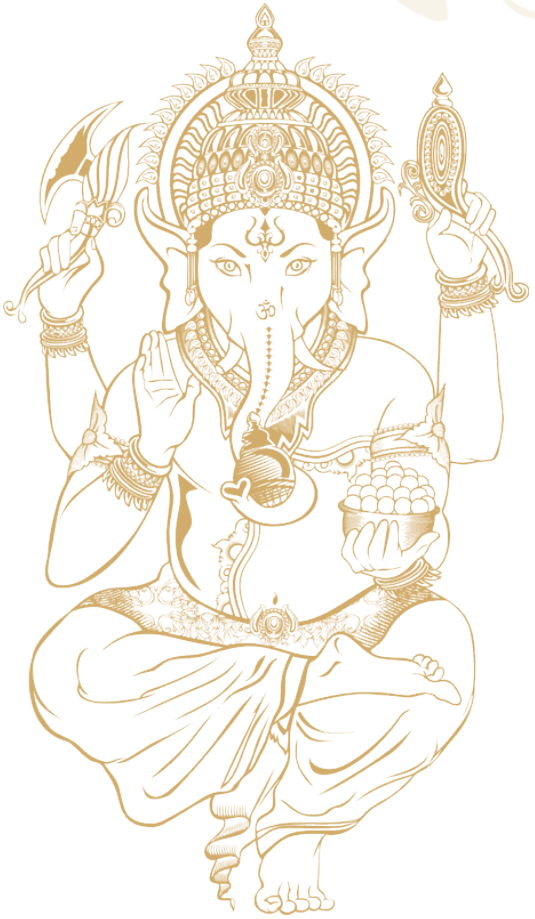

Mr.

08 Sep 2008

09:45 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121849802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/2008**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	10:14:44 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:48:32 घंटे
वेलान्तर	00:02:22 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:56 घंटे
सूर्योदय	05:39:06 घंटे
सूर्यास्त	18:08:31 घंटे
दिनमान	12:29:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:54:32 सिंह
लग्न के अंश	15:34:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:34:20	313:07:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	21:54:32	00:58:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			वृश्चि	28:20:45	11:52:07	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			कन्या	18:44:48	00:39:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			कन्या	18:30:41	01:04:56	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु	व		धनु	18:33:06	00:00:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	16:31:03	01:13:30	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	18:27:10	00:07:33	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु			मक	24:15:02	00:00:40	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	24:15:02	00:00:40	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	26:53:20	00:02:23	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		मक	28:14:35	00:01:28	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	04:30:52	00:00:02	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	18:17:34	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:54

लग्न-चलित

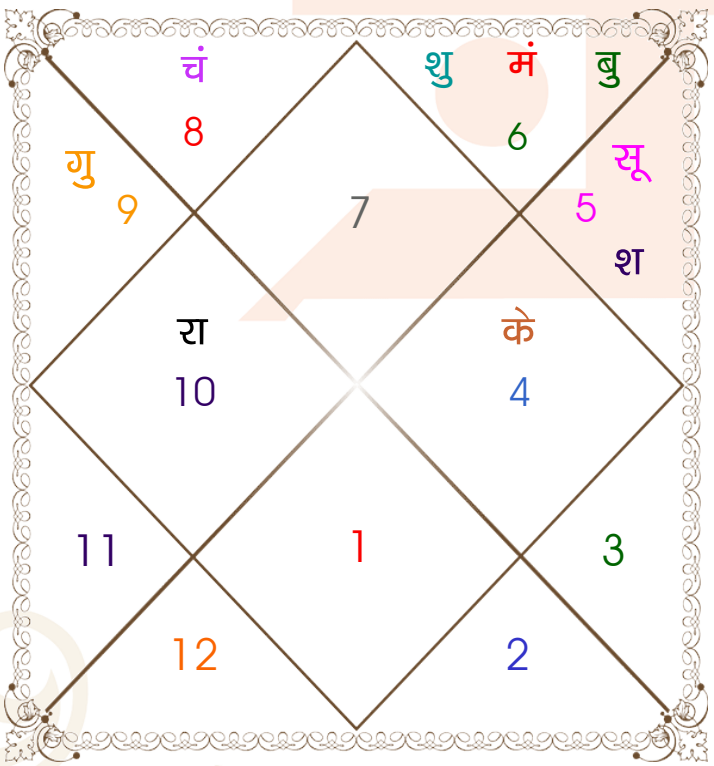

चन्द्र कुंडली

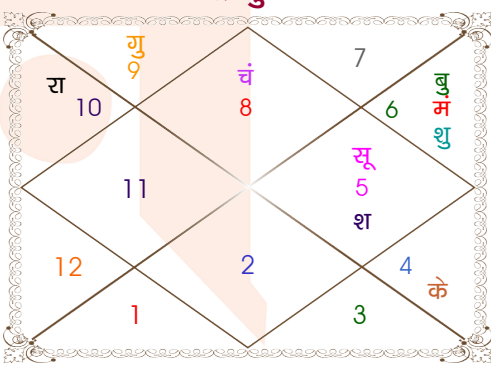

नवमांश कुंडली

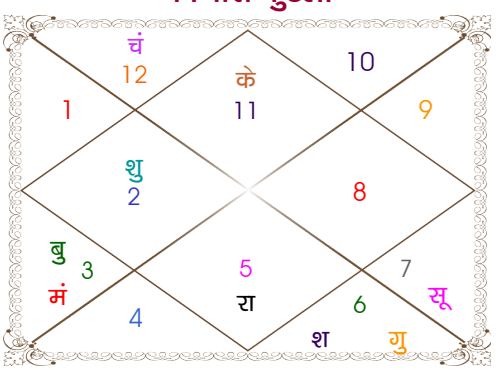

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 1 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/09/2008		18/10/2010		18/10/2017		18/10/2037		18/10/2043	
18/10/2010		18/10/2017		18/10/2037		18/10/2043		18/10/2053	
	00/00/0000	केतु	16/03/2011	शुक्र	16/02/2021	सूर्य	05/02/2038	चंद्र	18/08/2044
	00/00/0000	शुक्र	16/05/2012	सूर्य	17/02/2022	चंद्र	06/08/2038	मंगल	19/03/2045
	00/00/0000	सूर्य	20/09/2012	चंद्र	18/10/2023	मंगल	12/12/2038	राहु	18/09/2046
	00/00/0000	चंद्र	21/04/2013	मंगल	18/12/2024	राहु	06/11/2039	गुरु	18/01/2048
	00/00/0000	मंगल	18/09/2013	राहु	18/12/2027	गुरु	24/08/2040	शनि	18/08/2049
	00/00/0000	राहु	06/10/2014	गुरु	18/08/2030	शनि	06/08/2041	बुध	18/01/2051
	00/00/0000	गुरु	12/09/2015	शनि	18/10/2033	बुध	12/06/2042	केतु	19/08/2051
	08/09/2008	शनि	21/10/2016	बुध	18/08/2036	केतु	18/10/2042	शुक्र	18/04/2053
शनि	18/10/2010	बुध	18/10/2017	केतु	18/10/2037	शुक्र	18/10/2043	सूर्य	18/10/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/10/2053		18/10/2060		18/10/2078		18/10/2094		19/10/2113	
18/10/2060		18/10/2078		18/10/2094		19/10/2113		09/09/2128	
मंगल	16/03/2054	राहु	01/07/2063	गुरु	05/12/2080	शनि	21/10/2097	बुध	17/03/2116
राहु	04/04/2055	गुरु	24/11/2065	शनि	19/06/2083	बुध	01/07/2100	केतु	14/03/2117
गुरु	10/03/2056	शनि	29/09/2068	बुध	24/09/2085	केतु	10/08/2101	शुक्र	13/01/2120
शनि	18/04/2057	बुध	19/04/2071	केतु	31/08/2086	शुक्र	10/10/2104	सूर्य	18/11/2120
बुध	16/04/2058	केतु	06/05/2072	शुक्र	01/05/2089	सूर्य	22/09/2105	चंद्र	20/04/2122
केतु	12/09/2058	शुक्र	07/05/2075	सूर्य	17/02/2090	चंद्र	23/04/2107	मंगल	17/04/2123
शुक्र	12/11/2059	सूर्य	31/03/2076	चंद्र	19/06/2091	मंगल	01/06/2108	राहु	03/11/2125
सूर्य	19/03/2060	चंद्र	30/09/2077	मंगल	25/05/2092	राहु	08/04/2111	गुरु	09/02/2128
चंद्र	18/10/2060	मंगल	18/10/2078	राहु	18/10/2094	गुरु	19/10/2113	शनि	09/09/2128

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।